बरेली, शुक्रवार
26 जुलाई, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO : 05 BOTTOM

Advertisement

रुहेलखंड और कुमाऊं के पहले गायनी- ओंको सर्जन कर्नल (सेवानिवृत्त) डा.मनोज कुमार तांगड़ी ने कहा

हंसते और खांसते समय मूत्र का निकलना गंभीर समस्या

बरेली: हंसते और खांसते समय पेशाब निकल जाना, मूत्र विसर्जन के दौरान जलन, बार-बार पेशाब के लिए जाना। प्रेशर की वजह से पेशाब के लिए बायरूम जाना, जाते-जाते दो-चार बूंद पेशाब निकल जाना। जैसी समस्याएं पुरुषों और महिलाओं दोनों को हो सकती हैं। हालांकि पुरुषों के मुकाबले मूत्र विसर्जन संबंधी ने समस्याएं महिलाओं की ज्यादा परेशान करती हैं। इसकी वजह से महिलाएं सामाजिक कार्यक्रमों में जाने से दूरी बनाने लगती हैं और घात में भी बचती हैं। यह स्थिति उनमें हीनभावना पैदा करती है और वे डिप्रेशन की शिकार हो जाती हैं। अगर आप या आपके परिवार में किसी को ऐसी दिक्कतें हैं, तो इसको अनदेखी न करें और उस बढ़ने को सामान्य निशानी मान कर इसे नजरअंदाज न करें। यह सामान्य समस्याएं नहीं हैं। यह बात एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कार्यरत कर्नल (सेवानिवृत्त) डा.मनोज कुमार तांगड़ी ने कही। उन्होंने कहा कि ऐसे लक्षणों के प्रति जागरूक रह कर, आरंभ में ध्यान देकर मूत्र विसर्जन संबंधी गंभीर दुष्कारियों से बचा जा सकता है। डा.तांगड़ी कहते हैं कि महिलाओं में कोहरा और पुरेक्रा की मांसपेशियों के ढीला पड़ने की वजह से ऐसी समस्याएं होती हैं। हंसते और खांसते में भी पेशाब की कुछ बूंदें निकल जाती हैं। ज्यादातर

महिलायें इन लक्षणों को न करें अनदेखा

• जननांगों में असामान्य रक्तस्राव • हंसने या खांसने पर पेशाब का निकल जाना • पेशाब करने की तीव्र इच्छा और बार-बार पेशाब आना • पेशाब में जलन होना और इसके लिए रात में बार-बार उठना • मूत्र नली में सिकुड़न या मूत्र नली में संक्रमण और चोट • बायरूम तक जाते जाते कपड़ा पेशाब से भीग जाना • शारीरिक संबंध के बाद रक्तस्राव या दर्द होना • कल्चा या पोली में खुजली या जख्म होना • पेट का असामान्य रूप से फूल जाना, भूख कम लगना, वजन कम होना

कौन हैं डा.मनोज कुमार तांगड़ी?

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कार्यरत कर्नल (सेवानिवृत्त) डा.मनोज कुमार तांगड़ी रुहेलखंड और कुमाऊं रीजन के पहले गायनी ओंको सर्जन हैं। डा.तांगड़ी ने पूणे स्थित सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय (AFMC, Pune) से प्रसूति एवं स्त्री रोग में एमएस और मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल हास्पिटल से स्त्री कैंसर (गायनी ओंकोलाजी) रोग में फैलोशिप की है। ओंको सर्जरी में 14 वर्ष से ज्यादा का अनुभव रखने वाले डा.तांगड़ी नई दिल्ली स्थित आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल) में विभागाध्यक्ष भी रह चुके हैं। गोल्ड मेडलिस्ट डा.तांगड़ी को इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए राष्ट्रपति की ओर से प्रशंसा पत्र भी मिल चुका है।

श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, बरेली
9458705555
Know more

महिलाएं शर्म की वजह से इसे वर्षों तक छुपाती हैं। वो अगर किसी से बताती भी हैं तो कई बार घर में उनकी इस समस्या को सामान्य मान कर अनदेखा कर दिया जाता है। ऐसे में यह परेशानी बढ़ती जाती है और गंभीर हो जाती है और तब वे डाक्टर के पास जाने को मजबूर हो जाती हैं। शुक्रवार में इसका इलाज जहां दवाइयों और एक्सरसाइज से हो जाता है, वहीं बाद में ऐसे 70 से 80 फीसद मामले सर्जरी से ठीक हो जाते हैं। हालांकि पूरी तरह ठीक होने में 3-6 महीने का समय लग सकता है। डा. तांगड़ी के अनुसार प्रसव या सर्जरी की जटिलताओं अथवा किसी अन्य चोट से महिलाओं में फिस्टुला हो जाता है। ऐसा होने पर महिलाओं में पेशाब लगातार बहता रहता है। यह डायरेक्ट पहनने पर मजबूर होती हैं इसका इलाज सिर्फ फिस्टुला रिपेयर से होता है। एसआरएमएस में इसका भी सुव्यवस्थापूर्ण इलाज आसानी से उपलब्ध है। ऐसे में महिलाएं पेशाब संबंधी किसी भी समस्या को छुपाए नहीं, बल्कि एसआरएमएस मेडिकल कालेज में संचालित स्त्री रोग क्लीनिक आकर इसका समाधान पाएं। स्त्री रोग क्लीनिक में महिलाओं के प्रजनन अंगों में होने वाले गायनेकोलाजिकल कैंसर के उपचार के साथ- साथ सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की सुविधा और इससे बचाव की वैक्सीन भी उपलब्ध है।